



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 7 सितम्बर, 2001/16 भाद्रपद, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 7 सितम्बर, 2001

संख्या एफ०एफ० ई०वी०-एफ० (6) 2/99-II.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ने वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अन्तर्गत उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला किन्नौर में लिप्पा असरंग अभ्यारण्य का गठन करने के आशय से अधिसूचना संख्या 5-11-70-एफ.एफ., तारीख 27-3-1974 को जारी की थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन तथा अपेक्षित उद्घोषणा, तारीख 30-3-1991 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी तथा जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर आपेक्ष प्राप्त हुये थे।

और समाहर्ता, जिला किन्नौर ने उक्त अधिनियम की धारा 24(2) के अन्तर्गत उसमें विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा उठाये गये आक्षेपों का सावधानीपूर्वक विचार किया और इन आक्षेपों का अध्ययन करने निजी भूमि व वह वन भूमि जिन पर क्षेत्रीय लोगों के बहुत ज्यादा हक-हकूक है, को लिप्पा-असरंग अभ्यारण्य से बाहर करने व इस भूमि पर लोगों के बुशहर स्टेट को वन बन्दोवस्त रिपोर्ट, 1921 में लिए गए हक-हकूक यथावत रखने की सिफारिश की है।

और राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश के सुविचारित परिशीलन करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि समाहर्ता, जिला किन्नौर को रिपोर्ट का इस अभ्यारण्य की सीमाएं, जो कि 27-3-74 को अधिसूचना द्वारा अधिसूचित की गई थी, न बदली जाए ।

और राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, समाहर्ता, जिला किन्नौर की रिपोर्ट तथा मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) व मुख्य वन्य प्राणी संरक्षक, हिमाचल प्रदेश, वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 24(2) (ग) के उपबन्धों के अधीन की गई सहमति के आधार पर आदेश देते हैं कि स्थानीय निवासी, उन्हें वुणैहर स्टेट वन बन्दोवस्त रिपोर्ट, 1921 में उपरोक्त अभ्यारण्य में प्रदत्त हक-हकूक का उसी प्रकार प्रयोग करते रहेंगे जैसे वे उनका इससे पूर्व करते आये हैं ।

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का यह मानना है कि अभ्यारण्य लिप्पा-असरंग पर्याप्त परिस्थितिकि, प्राणीजात, भू-आकृतिविज्ञान, प्राकृतिक या प्राणीविज्ञान के महत्व का है ।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिप्पा-असरंग क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण की संरक्षित प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभ्यारण्य घोषित करते हैं ।

अभ्यारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी:—

- उत्तर : तैती गाड पर स्थित बिन्दु 3440 मीटर (Lat. 31°-44'-19" N, Long. 78°-15'-00" E) से नीचे की तरफ बिन्दु 3225 मीटर (Lat. 31°-40'-37" N, Long. 78°-17'-58" E), जो कि दक्षिण-पूर्व को ओर से आने वाले नाले व तैती गाड के संगम पर स्थित है ।
- पूर्व : बिन्दु 3225 मीटर (Lat. 31°-40'-37" N, Long. 78°-17'-58" E) से तीव्र ढलानदार-धार के साथ भोगटी दोगरी के पश्चिम की तरफ स्थित बिन्दु 4465 मीटर तक (Lat. 31°-39'-31" N, Long. 78°-17'-21" E).
- दक्षिण : बिन्दु 4465 मीटर (Lat. 31°-39'-31" N, Long. 78°-17'-21" E) से कल्पा व मोरंग तहसील की सीमा बताने वाली धार, से उच्च बिन्दु 4404 मीटर, 4977 मीटर और 5122 मीटर होते हुए 5088 मीटर ऊंचे द्रिमब्लिंग गलेशियर तक (Lat. 31°-41'-21" N, Long. 78°-13'-00" E).
- पश्चिम : बिन्दु 5088 मीटर (Lat. 31°-41'-21" N, Long. 78°-13'-00" E) द्रिमब्लिंग गलेशियर से उत्पन्न हुई, द्रिमब्लिंग गाड के साथ-साथ नीचे की तरफ तैती गाड बिन्दु 3440 मीटर तक (Lat. 31°-44'-19" N, Long. 78°-15'-00" E). क्षेत्रफल 31 वर्ग कि० मी० ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

वित्तायुक्त एवं सचिव (वन) ।

[Authoritative English text of this department Notification number FFEB-F (6)2/99-II, dated 7th September, 2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

FOREST DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla 2, the 7th September, 2001

No. FFEB-F(6)2/99-II.—Whereas Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 18 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 had issued notification

No. 5-11-70-SF, dated 27-3-1974 declaring his intention to constitute Lippa-Asrang Sanctuary in District Kinnaur.

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above notification on 30-3-1991 and objections were received from the public within the prescribed period.

And whereas the Collector, District Kinnaur in exercise of the powers vested in him under section 24(2) of the said Act, has carefully considered the objections raised by the interested persons and recommended alteration in the limits of the Lippa-Asrang Sanctuary and continuance of rights of the people as enjoyed by them as per Forest Settlement Report of Bushahr State, 1921.

And whereas after careful persual of the report of Collector, District Kinnaur, the Governor, Himachal Pradesh is satisfied that the boundaries of the above Sanctuary as notified *vide* notification, dated 27-3-1974 should not be changed.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh on the basis of the report of Collector, District Kinnaur and the concurrence given by the Chief Conservator of Forests (Wild Life)-cum-Chief Wild Life Warden (H. P.) under the provisions of section 24(2)(c) of the Wild Life (Protection) Act, 1972 is pleased to order that the local inhabitants shall be allowed to exercise the rights conferred on them *vide* Forest Settlement Report of 1921 of Bushahr State as are being enjoyed by them hereto fore in the above sanctuary.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Lippa-Asrang Sanctuary is of adequate ecological, faunal, floral geo-morphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 26 A of the said Act is pleased to declare Lippa-Asrang as Wildlife Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North: Taiti Gad from the point 3440m (Lat. 31°-44'-19" N & Long 78°-15'-00" E), down to point 3225m (Lat. 31°-40'-37" N & Long 78°-17'-58" E), which is located at the meeting point with a stream flowing from SE into Taiti Gad.

East: From the point 3225m (Lat 31°-40'-37" N & Long 78°-17'-58" E) along precipitous ridge to the west of of Bhogto dogri upto Point 4465m (Lat-31°-39' 31" N & Long 78°-17'-21" E).

South: Point 4465m (Lat 31°-39'-31" N & Long 78°-17'-21" E) along ridge (Tehsil boundary of Kalpa and Morang) passing through high point 4404m, 4977m, 5122m upto Drimbling glacier at high point 5088m (Lat 31°-41'-21" N & Long 78°-13'-00" E).

West: Point 5088m (Lat. 31°-41'-21" N & Long 78°-13'-00" E) along Drimbling Gad originating from Drimbling glacier, downstream upto Taiti Gad at point 3440m (Lat. 31° -44' -19" N and Long 78° -15' -00" E).

AREA : 31 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Financial Commissioner-cum-Secretary.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5